हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, गुरुवार 11 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नाबालिग को पुलिस ने मां-बाप को सौंपा

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना अंतर्गत केशवाही पुलिस ने मुस्तैदी का परिचय देते हुए एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। घर से बहला-फुसलाकर अगवा की गई 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को पुलिस टीम ने तेलंगाना के सिकंदराबाद से सकुशल दस्तयाब कर लिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से जहां पीड़ित परिवार के आंसू पोंछे गए हैं, वहीं अपराधियों के हौसले पस्त हो गए हैं। मामला बीते 30 अप्रैल का है, जब केशवाही चौकी क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की अचानक लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर बुढ़ार पुलिस ने तत्काल अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की खोजी नजरों ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सीधे तेलंगाना के जगनगुड़ा (सिकंदराबाद) में धावा बोल दिया। 10 जून को टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए बालिका को दरिंदों के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी बुढ़ार के कुशल निर्देशन में इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गंगा सिंह, प्रधान आरक्षक जान सिंह, उमेश राठौर और आरक्षक जितेंद्र राठौर की सिंघम जैसी जांबाज भूमिका रही, जिनकी हर तरफ सराहना हो रही है।

नवचयनित आरक्षकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा-2025 की चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत 136 नवचयनित आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक ने सभी नव नियुक्त आरक्षकों को बधाई देते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया एवं सभी नवचयनित आरक्षकों को उज्ज्वल भविष्य एवं सफल सेवाकाल हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। नवचयनित आरक्षकों में 52 महिला आरक्षक एवं 84 पुरुष आरक्षक शामिल है।

गांजा तस्करी का फरार सह-आरोपी धराया

शहडोल। इलाके में नशे के सौदागरों और कानून से भागने वाले अपराधियों के खिलाफ ब्यौहारी पुलिस ने अपनी दबिश तेज कर दी है। एनडीपीएस एक्ट के एक संवेदनशील मामले में लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहे सह-आरोपी लालजी मिश्रा को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया है। मामले का खुलासा तब हुआ था जब मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने जूनिया टोला में दबिश देकर मुख्य आरोपी बीरेश कुमार द्विवेदी उर्फ मुकेश द्विवेदी के ठिकाने से भारी मात्रा में (1 किलो 220 ग्राम) अवैध गांजा जब्त किया था। पुलिसिया पूछताछ और कड़े मेमोरेंडम कथन में मुख्य आरोपी ने कबूला कि इस काले कारोबार के पीछे भोलाहरा निवासी लालजी मिश्रा उम्र 48 वर्ष का भी पूरा हाथ था। तस्करी में नाम सामने आने के बाद से ही शातिर लालजी मिश्रा गिरफ्तारी के डर से भागा-भागा फिर रहा था। लेकिन थाना प्रभारी निरीक्षक जिया उल हक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए फरार आरोपी को धर दबोचा और सीधे सलाखों के पीछे पहुंचाकर माननीय न्यायालय में पेश कर दिया। इस ताबड़तोड़ और सराहनीय कार्रवाई में प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय और आरक्षक पंकज मेहरा की कडक भूमिका रही, जिससे क्षेत्र के अपराधियों में हडक्रंप मच गया है।

बूचडख़ाने ले जाए जा रहे 13 मवेशी मुक्त

ब्यौहारी। इलाके में पैर पसार रहे मवेशी तस्करों के खिलाफ ब्यौहारी पुलिस ने आधी रात को सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए एक बड़े नेटवर्क को बेनकाब किया है। पुलिस ने जयसिंहनगर की तरफ से आ रही एक पिकअप को घेराबंदी कर दबोचा, जिसमें क्रूरता की सारी हदें पार कर 13 मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। इन बेजुबानों को मौत के घाट उतारने के लिए बूचडख़ाने ले जाया जा रहा था। 09-10 जून की दरम्यानी रात मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने जाल बिछाया। नाकेबंदी के दौरान जब पिकअप को रोका गया, तो उसमें चीख-पुकार मच गई। गाड़ी में 6 भैंस और 7 पाड़े बेदम हालत में लदे थे। मौके से पकड़े गए ड्राइवर मोहम्मद अब्दुल 21 वर्ष, निवासी नैनी, प्रयागराज, यूपी के पास परिवहन का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। कड़ाई से पूछताछ में उसने उगल दिया कि यह काला कारोबार भडरा (चाकघाट) के शातिर वाहन स्वामी मोहम्मद अली के इशारे पर चल रहा था। पुलिस ने मवेशी क्रूरता निवारण अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दोनों आरोपियों पर मुकदमा ठोक दिया है।

सरकारी तिजोरी से मोटा वेतन और शहर में निजी क्लीनिकों का काला धंधा

बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज के सफेदपोश डकैत

नियम-कानूनों को ठेंगे पर रख एनपीए डकार रहे डॉक्टर

मेडिकल कॉलेज से नदारद, खुद की दुकानों पर चौबीस घंटे उपलब्ध

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय स्थित बिरसा मुण्डा शासकीय मेडिकल कॉलेज इन दिनों चिकित्सा के मंदिर के बजाय व्यापारिक सिंडिकेट का अड्डा बन चुका है। यहां पदस्थ कई रसूखदार चिकित्सक खुलेआम मानवीय संवेदनाओं का गला घोंटकर सरकारी व्यवस्था को चूना लगा रहे हैं। शासन से हर महीने लाखों रुपए का मोटा वेतन और नॉन-प्रैक्टिस अलाउंस ऐंठने वाले ये डॉक्टर मेडिकल कॉलेज में मरीजों के इलाज के लिए भले ही लापता रहें, लेकिन शहर में अपनी खुद की दुकानों (निजी क्लीनिकों और अस्पतालों) में बकायदा बोर्ड टांगकर नोट छापने की मशीन बने हुए हैं।

सीना ठोककर चल रहा है कमीशनखोरी का खेल

हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल कोई आंख-मिचौली का नहीं है। इन सरकारी डॉक्टरों ने शहर के चप्पे-चप्पे पर बकायदा अपने नाम की नेमप्लेट और चमचमाते बोर्ड टांग रखे हैं। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में जो डॉक्टर गंभीर मरीजों को देखने में समय की कमी का रोना रोते हैं, वही डॉक्टर अपने निजी क्लीनिकों और प्राइवेट अस्पतालों में घंटों बैठकर वीआईपी सेवाएं दे रहे हैं। इतना ही नहीं सूत्रों की मानें तो इन डॉक्टरों का लालच सिर्फ क्लीनिक तक सीमित नहीं है। इनकी डिग्रियों और रसूख के दम पर शहर में कई अवैध मेडिकल स्टोर और पैथोलॉजी लैब फल-फूल रहे हैं। चर्चा तो यहाँ तक है कि कॉलेज के एक-एक रसूखदार डॉक्टर के नाम पर शहर के अलग-अलग कोनों में कई-कई पैथोलॉजी लैब संचालित हो रही हैं, जहां गरीब मरीजों को जांच के नाम पर बेरहमी से लूटा जा रहा है। इन चिकित्सकों ने पवित्र चिकित्सा पेशे को विशुद्ध रूप से कमीशनखोरी का व्यापार बना दिया है।

नियमों का सरेआम माखौल

नियमों के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस न करने के बदले शासन द्वारा भारी-भरकम एनपीए दिया जाता है। इसके बावजूद अगर कोई चिकित्सक किसी आपातकालीन स्थिति में किसी निजी चिकित्सालय में अपनी सेवा या ऑपरेशन देने जाता है, तो उसके लिए डीन से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है। सन् 2000 में लागू हुए सरकारी नियम के अनुसार, यदि डीन अनुमति देते हैं, तो जिस निजी अस्पताल में ऑपरेशन होना है, उसे 500 रुपये और ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक को भी 500 रुपये शासकीय खजाने में चालान के जरिए जमा कराने होते हैं, लेकिन शहडोल के इन महानुभावों ने इस नियम को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया है। न तो कोई अनुमति ली जा रही है और न ही सरकारी खजाने में एक धेला जमा हो रहा है। यह सीधे तौर पर सरकारी राजस्व की चोरी और पद का दुरुपयोग है।

रसूखदारों के क्लीनिक गुलजार!

दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब मरीज जब बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज पहुंचते हैं, तो उन्हें डॉक्टरों के चैंबर खाली मिलते हैं या फिर जूनियर डॉक्टरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। लेकिन जैसे ही कोई मरीज इन डॉक्टरों के निजी क्लीनिक या जिन प्राइवेट अस्पतालों में ये कंसल्टेंट बने बैठे हैं, वहां पहुंचता है, तो साहब पलकें बिछाकर स्वागत करने को तैयार मिलते हैं। सफेद कोट पहनकर काली कमाई करने वाले इन चिकित्सकों को न तो सरकार का डर है और न ही बेबस मरीजों की हाय का। क्या मेडिकल कॉलेज का प्रबंधन और जिला प्रशासन इन रसूखदार डॉक्टरों के सामने नतमस्तक हो चुका है, क्या एनपीए डकारने वाले इन डॉक्टरों के क्लीनिकों पर कभी प्रशासन का डंडा चलेगा या फिर चंद सिक्कों की खनक के आगे जिम्मेदार अधिकारी इसी तरह धृतराष्ट्र बने रहेंगे।

मुख्य पाइप लाइन फटी, सडक़ों पर बहा पानी

ब्यौहारी में जल संकट के बीच नगर परिषद की लापरवाही

शहडोल। एक तरफ आसमान से बरसती आग और भीषण जल संकट से ब्यौहारी की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए त्राहिमाम कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ब्यौहारी नगर परिषद की रीढ़विहीन कार्यप्रणाली और घोर लापरवाही ने पूरे शहर को संकट में झोंक दिया है। वार्ड क्रमांक 15 में मुख्य वाटर सप्लाई की पाइप लाइन फटने से हजारों-लाखों लीटर साफ पेयजल सडक़ों पर बहकर नालियों में समा गया। इस महा-लापरवाही का नतीजा यह है कि नगर के कई वार्डों की बत्ती गुल होने की तरह पानी की सप्लाई ठप हो गई है और हजारों की आबादी प्यासी मरने की कगार पर पहुंच गई है। स्थानीय आक्रोशित रहवासियों का साफ आरोप है कि यह कोई अचानक हुआ हादसा नहीं है, बल्कि नगर परिषद द्वारा बुलाई गई आपदा है। यह पाइप लाइन लंबे समय से जर्जर और क्षतिग्रस्त थी। सजग नागरिकों ने कई बार नगर परिषद के बाबुओं और इंजीनियरों को इसकी लिखित व मौखिक शिकायतें दी थीं, लेकिन वातानुकूलित कमरों में बैठे हुक्मरानों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। नतीजतन, कमजोर हो चुकी पाइप लाइन ने दबाव झेलना बंद कर दिया और वह बीच सडक़ पर फट गई। सडक़ पर फूटे इस जल-सोत ने व्यवस्था का ऐसा मखौल उड़ाया कि एक तरफ तो घरों की माताएं-बहनें खाली बर्तन लेकर पानी की आस में भटकती रहीं, वहीं दूसरी तरफ सडक़ पर बहते इस कीमती पानी का तमाशा देखने वाले कुछ असंवेदनशील लोग अपनी मोटरसाइकिलें, कारें और अन्य वाहन चमकाते नजर आए। यह दृश्य ब्यौहारी प्रशासन के मुंह पर तमाचा है। सरकार जहां जल ही जीवन है और पानी बचाओ के खोखले विज्ञापन चमकाने में व्यस्त है, वहीं धरातल पर नगर परिषद की अनदेखी से हजारों लीटर जीवन सडक़ों पर बहता रहा और जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद सोते रहे। इस भीषण गर्मी में पानी की सप्लाई बंद होने से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। प्रभावित वार्डों के नागरिकों का कहना है कि पहले से ही पानी की किल्लत थी और अब इस लापरवाही ने आग में घी का काम किया है। अगर चौबीस घंटे के भीतर पाइप लाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति सुचारू नहीं की गई और लापरवाह अधिकारियों पर गाज नहीं गिरी, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

दीदी कैफे के माध्यम से घर से दूर घर जैसा स्वाद अस्पताल आने वाले मरीजों एवं परिजनों को मिलेगा

कलेक्टर एवं सीईओ ने जिला चिकित्सालय के दीदी कैफे का किया शुभारंभ, चखा स्वाद

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिला चिकित्सालय परिसर शहडोल में आजीविका मिशन के माध्यम से जमुना स्व. सहायता समूह की महिलाओ द्वारा संचालित आजीविका दीदी कैफे का फीता काटकर शुभारंभ किया एवं दीदी कैफे में बनाएं गए खाद्य पदार्थों का स्वाद भी चखा। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि दीदी कैफे के संचालित होने से कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजो एवं उनके परिजनो को अस्पताल परिसर में ही शुद्ध, स्वादिष्ट, स्वच्छ एवं उचित दर पर खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही स्व. सहायता समूह की दीदीयों को रोजगार मिलेगा जिससे महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर होगी। आजीविका दीदी कैफे में दलिया, खिचड़ी उपमा, लस्सी, चाय, फाफी, दूध, समोसा, पोहा जैसे अन्य नास्ता खाद्य सामग्री उचित दरो में उपलब्ध होगी।

सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कहा कि दीदी कैफे के प्रारंभ हो जाने से मरीजों एवं उनके परिजनों को बहुप्रतीक्षित सुविधा का लाभ मिलने लगा है। इस अवसर पर उन्होने समूह की दीदीयों को सामग्री खरीदी, बिक्री, वित्तीय प्रबंधन तथा पंजी संधारण के संबंध में जानकारी दी। दीदी कैफे के संचालन में जिला समन्वयक ग्रामीण आजीविका मिशन अजय सिंह द्वारा अस्पताल परिसर में भूमि चयन एवं एफएसएसएआई लायसेंस हेतु मार्गदर्शन दिया गया। लघु उद्यम प्रमुख संदीप दीक्षित द्वारा उत्पाद व साफ्ट स्किल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है।

सत्ता के दबाव में सैवधानिक संस्थाओं का चीरहरण: अवस्थी

नामांकन निरस्तीकरण पर भड़की कांग्रेस

राष्ट्रपति और चुनाव आयोग से निष्पक्ष जांच की मांग

शहडोल।

कांग्रेस की कद्दावर नेत्री और राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सुनियोजित षड्यंत्र के तहत निरस्त किए जाने के खिलाफ शहडोल में सियासत पूरी तरह गर्मा गई है। जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले आक्रोशित भाजपाइयों... सॉरी, कांग्रेसियों ने अंबेडकर चौक पर तख्तियां और बैनर थामकर दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर हुंकार भरी।

धरना-प्रदर्शन की कमान संभालते हुए जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी ने भाजपा सरकार को सीधे आड़े हाथों लिया। उन्होंने तीखे लहजे में कहा भाजपा सरकार हार के डर से बौखला गई है। प्रशासनिक मशीनरी और लोकतांत्रिक संस्थाओं का नंगा दुरुपयोग कर विपक्ष का गला घोंटा जा रहा है। बहन मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज करना महज एक तकनीकी औपचारिकता नहीं, बल्कि देश के संविधान और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली पर सीधा हमला है। सत्ता के संरक्षण में चल रहे इस तानाशाही खेल को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्रदर्शन के दौरान मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला सहित अन्य वक्ताओं ने साफ किया कि देश का संविधान हर नागरिक को चुनाव लडऩे का हक देता है, लेकिन भाजपा अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते लोकतंत्र को बंधक बना रही है। हाथों में सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने साफ संदेश दिया कि वे इस दमनकारी नीति के आगे झुकने वाले नहीं हैं। कांग्रेस ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि राष्ट्रपति और मुख्य निर्वाचन आयोग ने इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच नहीं कराई, तो शहडोल से उठी यह आक्रोश की चिंगारी पूरे प्रदेश में एक उग्र जनआंदोलन का रूप ले लेगी। प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्षों, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और मोर्चा-प्रकोष्ठों के सैकड़ों कार्यकर्ता इस अन्याय के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के लिए डटे रहे।

1169 बोरी धान डकार गया केंद्र प्रभारी!

खून-पसीने की कमाई के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर काट रहा बुजुर्ग

शहडोल।

सरकारी विज्ञापनों में अन्नदाता के सम्मान और उनकी आय दोगुनी करने के ढोल पीटने वाले प्रशासनिक तंत्र का सबसे क्रूर और अमानवीय चेहरा शहडोल जिले में बेनकाब हुआ है। जयसिंहनगर के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अमझोर के रामसोहरा धान खरीदी केंद्र की घोर लापरवाही और तानाशाही ने एक 80 साल के बुजुर्ग किसान को जीते जी नर्क भोगने पर मजबूर कर दिया है। व्यवस्था के इस खूनी खेल में एक बेबस बाप के हक की गाढ़ी कमाई तो डूबी ही, साथ ही इलाज के अभाव में उसके जवान बेटे की सांसे भी थम गईं।

दिल को झकझोर देने वाला यह मामला जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गांधीय का है। यहां के 80 वर्षीय बुजुर्ग किसान राम प्रताप कंवर ने उम्र के इस ढलते पड़ाव में भी रीढ़ की हड्डी सीधी रख, हाड़ कंपाने वाली ठंड में खून-पसीना बहाकर करीब 45 रकबा जमीन पर धान की बंपर फसल उगाई थी। जनवरी के महीने में उन्होंने पूरी उम्मीद के साथ अपनी गाढ़े खून-पसीने की 1169 बोरी धान रामसोहरा खरीदी केंद्र में तौलवाई, लेकिन केंद्र प्रभारी मदन मोहन पांडेय की नीयत और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि केंद्र प्रभारी ने धान तो तौल ली, लेकिन उसे ऑनलाइन पोर्टल पर चढ़ाना ही भूल गए या जानबूझकर लापरवाही की। नतीजा? बुजुर्ग किसान का करीब 10 लाख रुपये का भुगतान सरकारी फाइलों और लापरवाही के दलदल में लापता हो गया।

इस लापरवाही की जो कीमत इस परिवार को चुकानी पड़ी, उसे सुनकर किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह कांप जाए। 10 लाख रुपये अटकने से बुजुर्ग किसान दाने-दाने को मोहताज हो गया। इसी बीच उसका जवान बेटा गंभीर रूप से बीमार पड़ गया। बेबस पिता अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटता रहा, मिन्नतें करता रहा कि उसके हक का पैसा दे दो ताकि बेटे का इलाज करा सके। लेकिन संवेदनहीन बाबुओं का दिल नहीं पसीजा। आखिरकार पैसों की तंगी और समुचित इलाज न मिलने के कारण बीती 4 जून को जवान बेटे ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

बेटे की अर्थी को कंधा देने के बाद अब यह अभागा बुजुर्ग 50 किलोमीटर का सफर तय कर जिला मुख्यालय के दफ्तरों की चौखट पर न्याय की भीख मांग रहा है। सवाल यह उठता है कि इस मौत का जिम्मेदार कौन है? क्या कलेक्टर और सहकारिता विभाग के आला अफसर इस लापरवाह केंद्र प्रभारी पर हत्या का मुकदमा दर्ज करेंगे? बहरहाल, इस घटना ने साबित कर दिया है कि शहडोल का प्रशासनिक अमला आकंठ संवेदनहीनता में डूबा हुआ है, जहां एक किसान की मेहनत और उसके बेटे की जिंदगी की कीमत सरकारी पोर्टल की एक एंट्री से भी कम है।

इनका कहना है...

मामला संज्ञान में आया है। प्रारंभिक जांच में किसान की आईडी पावती जारी नहीं होने की बात सामने आई है। मामले की जांच कराई जा रही है और जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदीप द्विवेदी
सहायक आपूर्ति अधिकारी
शहडोल

रेलवे यार्ड में खड़े डीजल इंजन से 1200 लीटर डीजल पार

शहडोल।

एक तरफ जहां वैश्विक हलचलों के बीच देश में ईंधन की किल्लत और पेट्रोल पंपों पर हाहाकार जैसी स्थिति बनी हुई है, वहीं जिले में बेखौफ चोरों ने सीधे भारतीय रेलवे को ही चूना लगा दिया है। बुढार रेलवे स्टेशन के यार्ड में खड़ी एक डीजल रेल इंजन को निशाना बनाते हुए शातिर चोरों ने एक-दो नहीं, बल्कि 1200 लीटर से अधिक डीजल उड़ा दिया और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) को भनक तक नहीं लगी। इस वारदात ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं।

खबर है कि बुढार स्टेशन के लाइन नंबर 5 पर एक मालगाड़ी का डीजल इंजन खड़ा था। अमूमन हाई-सिक्योरिटी ज़ोन माने जाने वाले स्टेशन परिसर में, जहां हर वक्त लोगों और सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही रहती है, वहां चोरों ने बकायदा इंजन का लॉक तोड़ा और बड़े आराम से सैकड़ों लीटर कीमती ईंधन पार कर दिया। चोरों की यह सुपरफास्ट चालाकी देखकर हर कोई दंग है। जब आम जनता की सुरक्षा का दम भरने वाली आरपीएफ स्टेशन पर मौजूद थी, तब चोरों को इतनी बड़ी मात्रा में डीजल निकालने और उसे ले जाने का समय कैसे मिल गया? क्या यह सिर्फ चोरों की चालाकी है या फिर इसके पीछे अंदरूनी मिलीभगत का कोई बड़ा खेल?

जिले में पहले ट्रकों और निजी वाहनों से तेल चोरी आम बात थी, लेकिन सीधे रेल इंजन में डाका डालना आरपीएफ की कार्यप्रणाली पर गहरा दाग है। इस संवेदनशील मामले पर जब अनूपपुर आरपीएफ इंस्पेक्टर एम. पात्रा से बात की गई, तो उन्होंने कैमरे के सामने खुलकर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, दबी जुबान में उन्होंने चोरी की बात स्वीकारते हुए कहा कि मामला दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

खबर संक्षेप

उमरिया में खेलो इंडिया बालिका साइक्लिंग लीग का आयोजन आज

उमरिया। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार खेलो इंडिया बालिका साइक्लिंग लीग का आयोजन 11 जून 2026 को शाम 4 बजे किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग,जिला साइक्लिंग एसोसिएशन तथा क्रीड़ा भारती,जिला उमरिया के संयुक्त तत्वावधान में होगा। साइक्लिंग रेस कछरवार रोड स्थित आरसी स्कूल से बायपास मार्ग तक आयोजित की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों 13 से 16 वर्ष,17 से 18 वर्ष एवं 19 वर्ष से अधिक में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक आयु वर्ग में विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही प्रत्येक वर्ग के शीर्ष 10 खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह शाम 6 बजे नगरपालिका स्टेडियम उमरिया में आयोजित किया जाएगा।

सबरी कुटी में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा जारी

अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन नगरी अमरकंटक स्थित माई बगिया रोड, वार्ड क्रमांक 14 की सबरी कुटी में 5 जून से 12 जून तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा में प्रतिदिन शाम 4 बजे से हरि इच्छा तक श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर श्रीमद्भागवत महापुराण के विविध प्रसंगों का श्रवण कर रहे हैं। कथा का वाचन वृंदावन धाम के प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य विनय कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। वे अपनी संगीतमय एवं भावपूर्ण शैली में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और श्रीमद्भागवत के दिव्य प्रसंगों का रसपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर रहे हैं। इस अवसर पर वाराणसी से पधारे आचार्य अंकित तिवारी की विशेष उपस्थिति भी बनी हुई है। यह धार्मिक आयोजन स्वर्गीय रामचरण जायसवाल (नेताजी) की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई जायसवाल द्वारा कराया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में जायसवाल परिवार के सदस्य एवं समिति के पदाधिकारी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। आयोजन समिति के अनुसार कथा के दौरान श्रीमद्भागवत के प्रमुख प्रसंगों का क्रमवार वर्णन किया जा रहा है। 12 जून को कथा की पूर्णाहुति के साथ हवन-पूजन, भंडारा एवं स्वजन भोजन का आयोजन किया जाएगा। समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से परिवार सहित कथा महोत्सव में सहभागी बनकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है। आयोजकों का मानना है कि इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सदाचार और धार्मिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अमरकंटक में सीवरेज परियोजना के तहत मलजलकर निर्धारण को मिली स्वीकृति

अमरकंटक। नगर परिषद अमरकंटक की परिषद बैठक में नगर क्षेत्र में संचालित सीवरेज परियोजना के अंतर्गत मलजलकर (सीवरेज शुल्क) निर्धारण संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह ने की। बैठक में पार्षदों एवं परिषद अधिकारियों की उपस्थिति में नगर विकास एवं स्वच्छता व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र में संचालित सीवरेज परियोजना का संचालन एवं संधारण कार्य मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसी) के माध्यम से किया जा रहा है। परिषद के समक्ष अवगत कराया गया कि परियोजना के सफल संचालन तथा रखरखाव के लिए मलजलकर का निर्धारण आवश्यक है, जिससे भविष्य में सीवरेज व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके। बैठक में बताया गया कि सीवरेज परियोजना के अंतर्गत नगर क्षेत्र में कुल 534 कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। परियोजना के संचालन एवं रखरखाव हेतु विभिन्न श्रेणियों के संस्थानों और प्रतिष्ठानों के लिए मासिक शुल्क निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

जंग लगी सरियों से लिखी जा रही विनाश की इबारत

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी रक्सा की पुलिया

सरपंच-सचिव और इंजीनियर की जुगलबंदी से बजट गोलमटोल

मानपुर।

एक तरफ प्रदेश की मोहन सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, मंशा साफ है कि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले और बुनियादी ढांचा मजबूत हो, लेकिन जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रक्सा में सरकार के इन दावों को ठेंगा दिखाया जा रहा है। यहां के पिपरहा टोला में बन रही एक पुलिया भ्रष्टाचार की ऐसी भेंट चढ़ चुकी है कि निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही उसकी अंतिम यात्रा तय नजर आ रही है।

काम अधूरा, बजट पूरा साफ!

इस 15 लाख रुपये की लागत वाली पुलिया का बजट निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही मिलीभगत करके निकाल लिया गया। अब खाते में नाममात्र की राशि बची है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या बची-कुची चवन्नी से पुलिया की छत को मजबूती मिल पाएगी? पंचायत के कर्ताधर्ताओं ने मिलकर जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे का ऐसा गोल-मटोल किया है कि अब पुलिया का भविष्य खुद भगवान भरोसे है।

जंग लगी कतरनों से बुना जा रहा मौत का जाल

मौके पर चल रहा निर्माण कार्य तकनीकी मापदंडों का खुल्लमखुल्ला मखौल उड़ा रहा है। पुलिया की छत के लिए जो जाल बिछाया जा रहा है, उसमें नई और मजबूत सरिया की जगह जंग से सनी हुई टुकड़े-टुकड़े सरिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। तकनीकी जानकारों का कहना है कि जंग लगी सरिया कंक्रीट को पकड़ नहीं पाती। ऐसे में जब पुलिया की बुनियाद ही इतनी खोखली और जंग खाई होगी, तो उस पर भारी वाहनों का दबाव पड़ते ही वह ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी।

बड़ा प्रशासनिक घालमेल

नियमों के मुताबिक किसी भी सरकारी निर्माण कार्य स्थल पर सूचना पटल (साइन बोर्ड) लगाना अनिवार्य है, जिसमें कार्य का नाम, लागत, मद और एजेंसी का उल्लेख हो। लेकिन रक्सा के पिपरहा टोला में ऐसा कोई बोर्ड नहीं है। यह गोपनीयता ही इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

पहली बारिश में बहने की तैयारी!

आलम यह है कि कुछ ही दिनों में मानसून की दस्तक होने वाली है, नदियां-नाले उफान पर होंगे, लेकिन इस पुलिया में न तो रिटर्न बैरियर बनाया गया है और न ही क्रॉस वॉल का अता-पता है। बिना इन सुरक्षा दीवारों के पानी का तेज बहाव मिट्टी को काट देगा और पुलिया जमींदोज हो जाएगी। साफ जाहिर है कि जनपद से लेकर पंचायत तक बैठे आला अधिकारी खुद आंखें मूंदकर इस भ्रष्टाचार को मूक सहमति दे रहे हैं।

कलेक्टर और सीईओ से न्याय की आस

इस घोटाले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से सीधे गुहार लगाई है। जनता की मांग है कि इस पूरे निर्माण कार्य की किसी निष्पक्ष और उच्च स्तरीय तकनीकी टीम से जांच कराई जाए। मौके पर इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच हो। सरकारी धन का बंदरबांट करने वाले भ्रष्ट सरपंच, सचिव और लापरवाह इंजीनियर पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि जिले में ऐसी पुनरावृत्ति करने की कोई हिम्मत न जुटा सके।

इनका कहना है...

जब इस मामले में इंजीनियर प्रदीप उधम से जानकारी चाहने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा फोन उठाना उचित नहीं समझा गया।

दिव्यांग आवेदक की समस्याएं सुन कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने दिव्यांग आवेदक की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए सुना तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम सहिजना, तहसील करकेली निवासी दिव्यांग राकेश कुमार बर्मन अपनी समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को जब इस संबंध में जानकारी प्राप्त हुई, तब उन्होंने आवेदक को अपने कक्ष में बुलाने के बजाय स्वयं बाहर जाकर उससे मुलाकात की। उन्होंने आवेदक का हालचाल जाना तथा उसकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। चर्चा के दौरान आवेदक ने बताया कि उसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य पात्रतामूलक योजनाओं से लाभान्वित किए जाने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।समस्या की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचे तथा किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। कलेक्टर के संवेदनशील एवं जनोन्मुखी व्यवहार से आवेदक एवं उसके परिजनों ने संतोष व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

ग्राम स्तरीय वन अधिकार समितियों का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया।

वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन अधिकारों की मान्यता के लिए जिला पंचायत उमरिया में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिनियम के प्रावधानों, विशेष रूप से सामुदायिक वन अधिकार तथा धारा 3(1)(प) में वर्णित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं सतत उपयोग के अधिकारों के संबंध में जागरूकता और क्षमता निर्माण करना था। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह ओहरिया ने कहा कि सामुदायिक वन संसाधनों के उपयोग से अधिक उनका प्रभावी प्रबंधन महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का आग्रह किया। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य डॉ. पूजा द्विवेदी ने बताया कि जिले में अभी तक सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के दावे प्राप्त नहीं हुए हैं तथा प्रशिक्षण के बाद इस दिशा में कार्य में तेजी लाई जाएगी। प्रशिक्षण में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी दावों की प्रक्रिया, दावों के सत्यापन, भौतिक निरीक्षण, नजरी नक्शा तैयार करने, बुजुर्गों के कथन दर्ज करने तथा दावों को खंड स्तरीय समिति तक प्रेषित करने की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिभागियों को नए एफआरए पोर्टल के उपयोग, आवश्यक प्रपत्रों के संधारण एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की उपयोगिता और महत्व से भी अवगत कराया गया।

एमआर मुक्त मध्य प्रदेश की दिशा में उमरिया में विशेष कैच-अप टीकाकरण अभियान जारी

उमरिया।

मीजल्स (खसरा) और रुबेला जैसी गंभीर बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उमरिया जिले में 19 जून 2026 तक विशेष कैच-अप टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत बच्चों को मीजल्स-रुबेला (एमआर) वैक्सीन की दो खुराकें क्रमशः 9 माह तथा 16 से 24 माह की आयु में दी जाती हैं। यह टीका बच्चों को इन दोनों जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.वी.एस. चंदेल तथा जिला टीकाकरण अधिकारी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान एमआर वैक्सीन सहित अन्य सभी आवश्यक टीकों से वंचित बच्चों की पहचान कर उनका आयु अनुसार टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमआर वैक्सीन एवं अन्य सभी टीके पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हैं, जो बच्चों को मीजल्स, रुबेला सहित कई गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का निर्धारित आयु पर समयबद्ध टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को एमआर वैक्सीन और अन्य आवश्यक टीके लगवाकर अभिभावक उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य का अमूल्य उपहार दे सकते हैं।

देवहरा पुलिस के द्वारा 896 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त

हरिभूमि न्यूज चचाई। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम के निर्देशन एवं एसडीओपी राजेंद्रग्राम नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना चचाई व चौकी प्रभारी देवहरा रंगनाथ मिश्रा के नेतृत्व में चौकी देवहरा की पुलिस टीम के द्वारा 896 ग्राम गांजा अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की गई 09 जून को चौकी देवहरा पुलिस कस्बा देहात भ्रमण के दौरान गांव खम्हरिया के तालाब के बगल में एक काले हरे रंग की मोटरसाइकिल बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स की संदिग्ध हालत में गिरी पड़ी मिली जिसे मौके पर जाकर संदिग्ध वाहन मिलने पर 12:45 बजे हमराह स्टाफ के समक्ष पंचनामा तैयार किया गया तथा वाहन के स्वामी एवं चालक की तलाश की गई तो कोई व्यक्ति नहीं मिला जिसका पंचनामा 13:15 बजे तैयार किया गया तथा चौकी से पूर्व से रवानासुदा आरक्षक 254 सत्यम गौतम को जरिए मोबाइल फोन से मौके पर बुलाया गया जो मौके पर उपस्थित आया बाद आरक्षक 249 सचिन गोंड को फोटोग्राफर कार्य पाबन्द कर मौके पर फोटोग्राफर उपस्थिती पंचनामा 13:30 बजे तैयार किया गया बाद मौके पर आरक्षक 249 सचिन गोंड से घटनास्थल में मिली काले हरे रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डीलक्स की चारों तरफ से फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई जिसका पंचनामा 13:45 बजे तैयार किया गया घटनास्थल में मिली काले हरे रंग की मोटरसाइकिल बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स बारीकी से तलाशी ली गई जिसमें चाबी नहीं पाई गई एवं डिक्की खुली हुई पाई गई जिसके अंदर एक नग खाकी रंग का पैकेट मिलना पाया गया जिसका मौके पर 14:00 बजे पंचनामा तैयार किया गया बाद मौके पर काले हरे रंग की मोटरसाइकिल बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स की डिक्की में खाकी रंग के प्लास्टिक के पैकेट को खोलकर देखा गया जिसका मौके पर 14:05 बजे पंचनामा तैयार किया गया पैकेट खोलने पर पैकेट के अंदर मादक पदार्थ गांजा जैसा होना पाया गया जिसकी पहचान स्वयं के द्वारा एवं उपस्थित गवाह उपरोक्त व पुलिस स्टाफ से सुंघाकर चखकर देखकर व स्वविवेक के अनुभव के अनुसार पहचान की गई जो मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया जिसका मौके पर पहचान पंचनामा 14:15 बजे तैयार किया गया बाद मौके पर मादक पदार्थ गांजा मिलने से अपने वरिष्ठ अधिकारी एसडीओपी अनूपपुर के मोबाइल फोन पर अपने मोबाइल मोबाइल फोन से संपर्क किया गया जो एसडीओपी का फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर होना बता रहा था मादक पदार्थ गांजा आम रोड के बगल में वाहन मिलने से कार्यवाही में विलंब करना उचित नहीं था जिससे कार्यवाही मेरे द्वारा की गई जिसका पंचनामा 14:35 बजे तैयार किया गया बाद मौके पर उपस्थित आरक्षक 254 सत्यम गौतम को कर्तव्य प्रमाण पत्र देकर स्वतंत्र साक्षीगण विवेचना किट एवं इलेक्ट्रिक तराजू लाने के लिए 14:45 बजे रवाना किया गया जो बाद कार्य मौके पर उपस्थित आया और अपने साथ विवेचना किट एवं इलेक्ट्रॉनिक तराजू एवं साक्षीगण देवेंद्र तिवारी पिता इंद्रभूषण तिवारी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम देवहरा व नारायण सिंह पिता चंद्रभान सिंह उम्र 47 वर्ष निवासी पटनाकला उपस्थित आए जिसका मौके पर पंचनामा 15:15 बजे तैयार किया गया। बाद मौके पर उपस्थित आए साक्षियों को धारा 179 बीएनएसएस की नोटिस देकर कार्यवाही में शरीक होने के लिए पाबंद किया गया बाद आरक्षक द्वारा लाये गए अनुसंधान किट एवं इलेक्ट्रॉनिक तराजू लाने का पंचनामा 15:25 बजे तैयार किया गया बाद मौके पर पेश किए गए इलेक्ट्रॉनिक तराजू का साक्षियों के समक्ष भौतिक सत्यापन कराया गया बाद आरक्षक 249 सचिन गोंड से इलेक्ट्रॉनिक तराजू को चालू करवा कर देखने पर तराजू के डिस्प्ले पर 0 लेख होना पाया गया जिसका मौके पर पंचनामा 15:30 बजे तैयार किया गया बाद मादक पदार्थ गांजा का समक्ष गवाहनों के इलेक्ट्रॉनिक तराजू में तौल किया गया जो कुल 896 ग्राम होना पाया गया जिसका मौके पर तौल पंचनामा 15:40 बजे तैयार किया गया बाद मौके पर मिले खाकी रंग के पॉलिथीन के पैकेट जिसके ऊपर खाकी रंग का टेप से चिपका हुआ बंद पैकेट के अंदर मादक पदार्थ गांजा वजन करीब 896 ग्राम कीमती 10000 रु. एवं इस्तेमाली काले हरे रंग की मोटरसाइकिल बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स कीमती करीब 60000 रु. मुताबिक जाती पत्रक के समक्ष गवाहान के 16:10 बजे जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया बाद जप्त किए गए मादक पदार्थ गांजा को विधिवतशील चपड़ा से सील बंद किया गया जिसका मौके पर पंचनामा 16:40 बजे तैयार किया गया बाद संपूर्ण कार्यवाही से धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत वाहन चालक अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाया गया जप्तशुदा माल अनुसंधान किट सील चपड़ा तथा साथ गए स्टाफ का गवाहों को वाहन में बैठाया तथा जप्त शुदा मोटरसाइकिल आरक्षक 254 सत्यम गौतम से चलवाकर चौकी परिसर में खड़ा कराया गया तथा चौकी वाहन में लोड समान उतरवा कर चौकी में एचसीएम प्रधान आरक्षक 132 राजाराम दाहिया को चौकी के मालखाना में सुरक्षार्थ रखे जाने के लिए सुपुर्द किया गया एवं पावती प्राप्त किया वापसी पर अपराध धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया उपरोक्त कार्रवाई में उपनिरीक्षक रंगनाथ मिश्रा के नेतृत्व में सउनि धर्मेंद्र महोबिया प्रधान आरक्षक 132 राजाराम दाहिया आरक्षक 254 सत्यम गौतम आरक्षक 249 सचिन गोंड महिला आरक्षित 491 वर्षा पाठक का सराहनीय योगदान रहा।

होटले, बड़ी-बड़ी इमारतें एवं अस्पतालों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवालिया निशान लगने शुरू

हरिभूमि न्यूज कोतमा। दिल्ली स्थित एक होटल में लापरवाही से आग लगने और 21 से ज्यादा मौतों के बाद नगर में भी संचालित होटले, बड़ी-बड़ी इमारतें एवं अस्पतालों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं। जानकारी जुटाने पर आश्चर्यजनक रूप से सामने आया कि नगर के मात्र दो प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी की व्यवस्था कराई गई है जिसके अंतर्गत फायर सिलेंडर रखकर कोरम पूरा किया गया है। नगर के अधिकांश होटल, अस्पताल एवं अवैध रूप से निर्मित गगनचुंबी इमारतें बिना फायर एनओसी के ही चल रही हैं। जहां पूरे दिन भारी भीड़ एकत्र रहती है। होटल में यदि कभी भी अचानक आग लग गई तो नगर पालिका के पास आग बुझाने के लिए भी पर्याप्त इंतजाम भी नहीं है। कोतमा नगर में आधा दर्जन से ज्यादा होटल संचालित है जिसमें कुछ होटल बाजार की तंग गलियों में स्थित है जहां आसानी से दमकल वाहन भी नहीं पहुंच सकते। नगर पालिका क्षेत्र में लगभग साढ़े बारह मीटर या चालीस फिट की ऊंचाई तक भवन निर्माण की अनुमति है इसके बाद भी नगर में 5 से 6 मंजिला की गगनचुंबी इमारतें तानी गई है जहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है ना ही फायर सेफ्टी के नियमों का पालन हो रहा है। कुछ दिनों पूर्व वार्ड 4 में सरफराज अहमद के घर व गोदाम मे लगी भीषण आग में सकरी गली होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंच सकी थी। जिसके बाद सीढ़ी एवं खिड़की तोड़कर आग पर काबू पाया गया था। नगर में होटल संचालकों द्वारा ठहरने का इंतजाम तो करते हैं लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पर पूरी तरह विफल नजर आते हैं। कुछ दिनों पूर्व नगर मे बहुमंजिला होटल गिरने के मामले में भी बड़ी लापरवाही सामने आई थी जिसमें निजी कंपनियों के भरोसे ही ज्यादातर रेस्क्यू ऑपरेशन हो सका था। बताया जाता है कि पिछले बर्ष कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर मे लगभग 15 लोगों को फायर एनओसी के लिए नगर पालिका के द्वारा नोटिस जारी किया गया है समय बीतने के साथ ही वह निर्देश कागजो तक सीमित होकर रह गया।

इनका कहना है

पूर्व में जांच कर होटल संचालकों एवं बहुमंजिला इमारतों मे फायर एनओसी के लिए नोटिस जारी किया गया था। पुनः जांच पड़ताल कराई जाएगी।
प्रदीप झरिया, सीएमओ नगर पालिका परिषद कोतमा

खबर संक्षेप

किराया जमा नहीं करने पर दो दुकानों में ननि ने जड़ा ताला

कटनी। नगर पालिक निगम द्वारा निगम स्वामित्व की संपत्तियों से राजस्व वसूली के लिए अभियान प्रारंभ कर दिया है। मंगलवार को बस स्टैंड परिसर स्थित निगम स्वामित्व की दो दुकानों दुकान क्रमांक 21 एवं दुकान क्रमांक 8 के आवंटियों द्वारा लंबे समय से किराया बकाया होने पर निगम प्रशासन द्वारा तालाबंदी की कार्रवाई संपादित की गई। निगम के राजस्व अधिकारी श्री जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को बकाया किराया जमा करने हेतु पूर्व में कई बार सूचना दी गई थी। इसके बावजूद दुकान क्रमांक 28 के आवंटी द्वारा सितंबर 2025 से बकाया किराया राशि 15 हजार 996 रूपये तथा दुकान क्रमांक 8 के आवंटी द्वारा अप्रैल 2024 से 5 हजार 104 बकाया किराया राशि निर्धारित समयावधि में जमा नहीं किए जाने पर निगम प्रशासन द्वारा यह कार्यवाही की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक विनोद सिंह चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे।

पौधारोपण की तैयारियों की निगमायुक्त ने की समीक्षा

कटनी। आगामी वर्षा ऋतु में नगर को अधिक हरा-भरा और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम ने व्यापक वृक्षारोपण अभियान की तैयारियां तेज कर दी हैं। विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुए पौधारोपण कार्यक्रमों एवं आगामी वृहद वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्था समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश विगत दिवस आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दिए। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि पौधारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प है।

स्वच्छ सर्वेक्षण कागज तक सीमित

भारतीय स्टेट बैंक के पास नाला गंदगी से पटा

बरसात से पहले सफाई नहीं होने पर जलभराव का खतरा

धनपुरी। एक ओर नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण और साफ-सुथरे शहर के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर नगर के प्रमुख क्षेत्र में स्थित भारतीय स्टेट बैंक के समीप का मुख्य नाला प्रशासनिक दावों की हकीकत बयां कर रहा है। नाले में सैकड़ों प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन, कूड़ा-कचरा और गाद जमा होने से जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होती नजर आ रही है। बरसात सिर पर है, लेकिन जिम्मेदारों की नजर अब तक इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह नाला नगर के कई वार्डों की नालियों का पानी अपने साथ लेकर आगे बढ़ता है। वर्तमान में इसकी स्थिति ऐसी हो गई है कि कहीं-कहीं पानी का प्रवाह लगभग रुक चुका है। नाले में जमा कचरा और गाद यह संकेत दे रहे हैं कि यदि मानसून की पहली तेज बारिश हुई तो पानी निकासी की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। ऐसी स्थिति में आसपास की सड़कें, दुकानें और रिहायशी क्षेत्र जलभराव की चपेट में आ सकते हैं।

लाखों खर्च, फिर भी गंदगी

नगर पालिका द्वारा हर वर्ष सफाई, स्वच्छता अभियान और सफाई सर्वेक्षण के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। शहर को स्वच्छ बनाने के दावे भी किए जाते हैं, लेकिन भारतीय स्टेट बैंक जैसे प्रमुख स्थल के समीप स्थित नाले की हालत इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। यदि नगर के मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर यह स्थिति है, तो अंदरूनी मोहल्लों की दशा का सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

नेता प्रतिपक्ष के क्षेत्र में भी बदहाली

यह मामला इसलिए भी चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि नाले के आसपास का क्षेत्र नगरपालिका कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष के प्रभाव क्षेत्र में माना जाता है। नागरिकों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि जब जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में स्थित मुख्य नाले की नियमित सफाई नहीं हो पा रही है, तो आम वार्डों की समस्याओं का समाधान कैसे हो रहा होगा। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को भी इस मुद्दे पर खुलकर सामने आना चाहिए और प्रशासन पर दबाव बनाकर सफाई कार्य कराना चाहिए।

बीमारियों का भी बढ़ रहा खतरा

गंदगी से अटे नाले से उठ रही दुर्गंध और मच्छरों की बढ़ती संख्या लोगों के लिए नई परेशानी बन रही है। बरसात के मौसम में यही स्थिति डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों को बढ़ावा दे सकती है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़ी समस्या का इंतजार करने के बजाय पहले ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

जनता का सवाल—आखिर जिम्मेदार कौन?

नगरवासियों का कहना है कि नाले की सफाई कोई नई मांग नहीं है। कई बार शिकायतों और चर्चाओं के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। अब लोगों के बीच यह चर्चा है कि आखिर नगर की सफाई व्यवस्था के लिए जिम्मेदार कौन है और यदि समय पर सफाई नहीं होती तो उसकी जवाबदेही किसकी तय होगी। बरसात आने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में नगर पालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना है। यदि प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए तो पहली ही तेज बारिश नगर पालिका के दावों की पोल खोल सकती है।

जनता की मांग

नगरवासियों ने तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाकर नाले से कचरा, प्लास्टिक और गाद हटाने, नियमित निगरानी व्यवस्था बनाने तथा बरसात से पहले सभी प्रमुख नालों की सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

नाली खोदकर छोड़ी, नगर परिषद की लापरवाही दुकानदारों की रोजी-रोटी पर संकट

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत अस्पताल रोड में सुंदीबाई स्कूल के सामने के दुकानदार काफी परेशान है दुकानदारों का कहना है कि नाली खुदाई की के क ई दिन बीत गए लेकिन अभी तक काम नहीं लगाया जा रहा है जिससे हम लोगों की रोजी-रोटी पर संकट है दुकानदार शशिकांत गुप्ता ने बताया कि जिस दिन नाली खोदी गई थी कहा गया था कि अगले दिन काम लगा दिया जाएगा लेकिन आज एक हफ्ता भी

जाने के बाद भी काम नहीं लगा हम लोग प्राइवेट बैंक से लोन लेकर दुकान खोल रहे हैं। प्रतिदिन ₹500 किस्त देना पड़ता है कहां से दूं ।सामने की अतिक्रमण को हटाने को लेकर नगर पालिका इतनी सक्रिय थी कि हमारा टीन तक तोड़ दिया सुबह नोटिस दिया और कहा कि अगले दिन तोड़ा जाएगा और उसी दिन 12:00 बजे अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया। दुकानों के सामने बड़े बड़े गड्ढे कैसे आए ग्राहक एक दुकानदार ने बताया कि उनके दुकान के सामने बड़े-बड़े गड्ढे हैं जिससे ग्राहक नहीं आ पाए दुकानदारों ने शीघ्र नाली निर्माण कराए जाने की है

2 महीने पहले लगी कचरा पेटी हो रही गायब

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत जगह-जगह कचरा पेटी लगाई गई थी जो अच्छी क्वालिटी की स्टील की कचरा पेटी लगाई गई थी वह धीरे-धीरे गायब होने लगी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ लोगों ने बताया कि नगर पालिका के ही कर्मचारी इसको चुपचाप उखाड़ कर कबाड़ में बेंच देते हैं इस तरह से पूरे नगर से धीरे-धीरे कचरा बेटी गायब हो रही है, नगर से कचरा पेटी गायब हो रही है लेकिन इससे मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कोई फर्क नहीं पड़ता लगभग सैकड़ो कचरा पेटी चुंगी नाका बस स्टैंड, मुख्य बाजार से गायब हो गई लेकिन उनके द्वारा अभी तक थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई जैसे उनका कोई फर्क नहीं पड़ रहा है जबकि उनको सुबह अपने भ्रमण के दौरान तुरंत संज्ञान में लेना चाहिए लेकिन उनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है नगर परिषद को तुरंत पुलिस में रिपोर्ट करना चाहिए कि आखिर जहां थाना है और कैसे बड़े अधिकारी हैं वहां से कचरा पेटी कैसे गायब हो रही है आखिर यह जनता के टैक्स के पैसे से खरीदा गया है नगर वासियों ने कलेक्टर से कार्रवाई करने की मांग की है

लोकतंत्र बचाने कांग्रेस का एक दिवसीय उपवास

रघुपति राघव राजाराम कीर्तन, भजन कर मांगी सद्बुद्धि

बिरसिंहपुर पाली -- राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज करने के विरोध में आज प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में एक दिवसीय उपवास कर सत्याग्रह का आयोजन किया गया , इस कडी में उमरिया जिले के पाली विकास खंड के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतृत्व में भी यह सत्याग्रह किया गया। इस सत्याग्रह में काग्रेस के नेताओं ने एक दिवसीय उपवास अम्बेडकर चौक पाली में किया । उपवास में कांग्रेस के नेताओं ने उपवास रखकर भारतीय जनता पार्टी की लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों और उनके इशारों में काम कर रहे निर्वाचन आयोग का मुखर विरोध प्रगट किया। पाली ब्लाक भर के नेताओं ने इस उपवास सत्याग्रह में भाग लेकर भाजपा की अन्याय पूर्ण नीतियों का खुल कर विरोध जताया। लोकतंत्र की रक्षा के नारों से संकल्प लेते हुए कांग्रेस जनों ने रघुपति राघव राजाराम कीर्तन का उच्चारण करते हुए जन जन में भाजपा की कलुषित कार्य शैली को पहुंचाने का काम किया गया।ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि मिश्रा ने सत्याग्रहियों को और जन आवाम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के व्दारा सत्ता के दबाव में अपने तंत्र का प्रयोग कर जिस तरह लोकतंत्र की हत्या की जा रही है , वह निंदनीय है और कांग्रेस उसका विरोध करती है। श्री मिश्रा ने कहा कि जब भाजपा मुकाबले में पराजित हो जाती है,तब वह कूटनीति के हथकंडे अपना कर अपना ऊल्लू सीधा करती है जिसका जीवंत उदाहरण मध्यप्रदेश की राज्य सभा की सीट बनी, जहाँ पर कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन जी है,जिनका नामांकन रद्द करा कर भाजपा अपनी जीत का डंका पीट रही है, श्री मिश्रा ने आगे कहा कि मीनाक्षी नटराजन के विरूद्ध देश के किसी अदालत में ऐसा मामले विचाराधीन नहीं है, जिसको आधार मानकर उनका नामांकन रद्द कर दिया गया है , झूठी शिकायतों के आधार पर नामांकन रद्द किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का गला घोट कर चुनाव से बाहर किया जाना लोकतंत्र की हत्या के समान ही है, आगे मिश्रा ने कहा कि चुनाव में शुचिता का पालन न कर इस तरह से चुनाव को प्रभावित करने की भाजपा की नीति से आज पूरा देश आंदोलित हो उठा है। जब भाजपा मुकाबले में हार जाती है तो इस तरह के हथकंडे अपनाती है। अन्य कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की इस षड्यंत्र कारी नीति का प्रखर विरोध किया।आज के सत्याग्रह आन्दोलन में काग्रेंस के वरिष्ठ नेता राम प्रकाश उपाध्याय,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष व नगर पालिका परिषद पाली के नेता प्रतिपक्ष संजीव खण्डेलवाल, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष लाल बहादुर सिंह, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष प्रमोद उपाध्याय, लक्ष्मण कुशवाहा, जनपद पंचायत पाली के अध्यक्ष मनीष सिंह, पूर्व नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष श्री मती ऊषा कोल पूर्व पार्षद कृष्ण कांत अवधिया, राम बिहारी उपाध्याय, पूर्व पार्षद मुन्नी बाई नामदेव, पूर्व पार्षद सिया बाई ,वरिउ कांग्रेस नेता जानकी मिश्रा , जुझारू नेता रमेश सिंह सेंगर, साकिर खान ,बब्लू शर्मा ,प्रदीप तिवारी , शनू उपाध्याय, छोटू यादव ,बलराम प्रजापति, रजनीश तिवारी ,उमेश शुक्ला, बंटी वर्मा ,जावेद खान, रवि प्रजापति, अरुण यादव, शिवा नायक ,अंकित मिश्रा, रामजी रौतेल सोनू नायक ,सुनील साहू ,बिंदे सिंह तहसील अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह आदि कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति सराहनीय रही। सत्याग्रह आन्दोलन में काग्रेंस के जिला अध्यक्ष विजय कोल, कांग्रेस सेवा दल महिला प्रदेश अध्यक्ष संगीता कनकरिया, सेवा दल महिला जिला प्रभारी संध्या वर्मा जी भी सत्याग्रह में भाग लेकर कांग्रेस जनो का हौंसला अफजाई की।

कौशल विकास कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए-कलेक्टर

स्थानीय युवाओं को योग्यता के आधार पर स्थानीय उद्योगों में रोजगार दिलाने किए जाएं ठोस प्रयास

अनूपपुर। कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला कौशल समिति की बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कौशल विकास कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल युवाओं को प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उन्हें शत-प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूरी तरह उद्योगों की वर्तमान मांग के अनुरूप हो, ताकि प्रशिक्षित युवाओं को कंपनियां सीधे रोजगार देने के लिए तैयार रहें। बैठक में जिले में तेजी से बढ़ रहे औद्योगिकीकरण का उल्लेख करते हुए कलेक्टर ने कहा कि एसईसीएल, मोजर बेयर, अडानी ग्रुप तथा टोरेन्ट पॉवर जैसी कंपनियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों के स्थानीय युवाओं को उनकी पात्रता के अनुसार विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के तहत प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, जिससे उन्हें भविष्य में स्थायी रोजगार प्राप्त करने में मदद मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि स्थानीय युवाओं को योग्यता के आधार पर स्थानीय उद्योगों में रोजगार दिलाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। साथ ही, पारंपरिक कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में आयोजित होने वाले युवा संगम रोजगार मेला का दायरा बढ़ाया जाए। विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के तहत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मेले से जोड़कर उनका चयन सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें निजी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही जिले में स्थापित हो रही नई कंपनियों में भर्ती के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं, ताकि रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें। कलेक्टर ने कोर्स डिजाइनिंग में बदलाव पर भी जोर देते हुए कहा कि जिले की भौगोलिक एवं औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप नए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित किए जाएं। आधुनिक और तकनीकी ट्रेडों को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से जुड़े सभी विभागों का एकमात्र लक्ष्य जिले के बेरोजगार युवाओं को आधुनिक कौशल प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी सहित जिला कौशल विकास समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सवः 'तुमने क्यों कहा था मैं खूबसूरत हूँ' नाटक के मंचन ने दर्शकों को बांधा

शहडोल। शहडोल में आयोजित हो रहे 11 दिवसीय भव्य नाट्य रंग महोत्सव के दूसरे दिन दर्शकों को एक बेहतरीन कलात्मक प्रस्तुति देखने को मिली। 9 जून की संध्या को होटल शुभम पैलेस के सभागार में 'रंग उत्सव नाट्य समिति, रीवा' द्वारा नाटक 'तुमने क्यों कहा था मैं खूबसूरत हूँ' का शानदार मंचन किया गया। नाटक की सशक्त पटकथा और कलाकारों के सजीव अभिनय ने उपस्थित सुधिजन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यशपाल की कहानी और कलाकारों का जीवंत अभिनय

यह नाटक सुप्रसिद्ध लेखक यशपाल की कहानी पर आधारित था, जिसका नाट्य रूपांतरण प्रख्यात रंगकर्मी अख्तर अली द्वारा किया गया था। नाटक का कुशल निर्देशन गौरव सिंह ने किया, जबकि इसकी संयोजन परिकल्पना अंकित मिश्रा की रही। मंच पर मुख्य किरदार में दीपक पटेल और अमृता सिंह नजर आए, जिन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय और संवाद अदायगी से नाटक के पात्रों को जीवंत कर दिया। मंच संचालन की जिम्मेदारी प्राप्ति सोनी ने बखूबी निभाई।

18 जून तक देश के चुनिंदा नाटकों का सजेगा मंच

गौरतलब है कि यह नाट्य महोत्सव 8 जून से शुरू होकर 18 जून तक शहडोल में चलेगा। आयोजन समिति 'सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति, शहडोल' द्वारा आयोजित इस महोत्सव में देश के अलग-अलग हिस्सों से बेहतरीन नाटकों और नाट्य दलों को आमंत्रित किया गया है। इस पूरे गरिमामयी कार्यक्रम का संयोजन जाने-माने रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी द्वारा किया जा रहा है।

आयोजन समिति ने की अपील, कलाकारों का बढ़ाएं उत्साहः आयोजन समिति ने शहडोल के कलाप्रेमी और प्रबुद्ध दर्शकों से अपील की है कि वे इस 11 दिवसीय महोत्सव में रोजाना ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुँचकर नाटकों का आनंद लें। दर्शकों की उपस्थिति न केवल देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों का उत्साहवर्धन करेगी, बल्कि शहडोल की सांस्कृतिक विरासत को भी समृद्ध करेगी।

होटल, बड़ी-बड़ी इमारतें एवं अस्पतालों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवालिया निशान लगने शुरू

हरिभूमि न्यूज कोतमा। दिल्ली स्थित एक होटल में लापरवाही से आग लगने और 21 से ज्यादा मौतों के बाद नगर में भी संचालित होटले, बड़ी-बड़ी इमारतें एवं अस्पतालों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं। जानकारी जुटाने पर आश्चर्यजनक रूप से सामने आया कि नगर के मात्र दो प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी की व्यवस्था कराई गई है जिसके अंतर्गत फायर सिलेंडर रखकर कोरम पूरा किया गया है। नगर के अधिकांश होटल, अस्पताल एवं अवैध रूप से निर्मित गगनचुंबी इमारतें बिना फायर एनओसी के ही चल रही हैं। जहां पूरे दिन भारी भीड़ एकत्र रहती है। होटल में यदि कभी भी अचानक आग लग गई तो नगर पालिका के पास आग बुझाने के लिए भी पर्याप्त इंतजाम भी नहीं है। कोतमा नगर में आधा दर्जन से ज्यादा होटल संचालित है जिसमें कुछ होटल बाजार की तंग गलियों में स्थित है जहां आसानी से दमकल वाहन भी नहीं पहुंच सकते।

केशवाही पुलिस की बड़ी सफलताः तेलंगाना से सकुशल दस्तयाब हुई अपहृत नाबालिग, परिजनों को सौंपा

बुढ़ार। स्थानीय बुढ़ार पुलिस ने तत्परता और सक्रियता दिखाते हुए एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस टीम ने करीब डेढ़ महीने पहले गायब हुई एक 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को तेलंगाना से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। बेटी को सुरक्षित वापस पाकर परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

क्या था पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, दिनांक 30 अप्रैल 2026 को चौकी केशवाही (थाना बुढ़ार क्षेत्रांतर्गत) के एक फरियादी ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 30 अप्रैल को बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों ने अपने स्तर पर आस-पास और सभी संबधित रिश्तेदारों में उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

इसके बाद फरियादी ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बुढ़ार में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

तेलंगाना में मिली लोकेशन, पुलिस ने दी दबिश

मामले की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ार पुलिस ने तत्परता से जांच शुरू की। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से पुलिस को अपहृता की लोकेशन तेलंगाना में मिली।

बिना वक्त गंवाए पुलिस टीम रवाना हुई और दिनांक 10 जून 2026 को जगनगुड़ा, सिकंदराबाद (तेलंगाना) से नाबालिग बालिका को सकुशल व सुरक्षित दस्तयाब (बरामद) कर लिया। पुलिस द्वारा सभी आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन और त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी बुढ़ार के विनय सिंह गहरवार

कुशल निर्देशन में उप निरीक्षक गंगा सिंह, प्रधान आरक्षक जान सिंह, प्रधान आरक्षक उमेश राठौर एवं आरक्षक जितेंद्र राठौर की विशेष और सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता पर स्थानीय नागरिकों ने भी टीम की सराहना की है।

विद्युत लाइन से खिलवाड़ पड़ा महंगाः 33 KV की चपेट में आने से युवक झुलसा, बाल-बाल बची जान

बुढ़ार (शहडोल)। नगर के वार्ड क्रमांक 7 साइडिंग रोड पर बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अवैध तरीके से बिजली चालू करने के प्रयास में एक युवक हाई-टेंशन मप्र विवि (33 KV) लाइन की चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना जोरदार था कि युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे इलाज के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। गनीमत रही कि युवक की जान बच गई।

बांस का डंडा छूते ही लगा जोरदार झटका

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को साइडिंग रोड निवासी राम प्रसाद चौधरी (पिता बब्बू) अपने घर की बिजली को अवैधानिक तरीके से चालू करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह बांस के डंडे का सहारा ले रहा था कि तभी अचानक उसका बांस बुढ़ार से धनपुरी जाने वाली 33 KV हाई-टेंशन विद्युत लाइन से स्पर्श हो गया। बांस के लाइन से छूते ही जोरदार करंट दौड़ा और राम प्रसाद इसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया।

कनिष्ठ अभियंता ने थाने में दी लिखित सूचना

मामले की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ार उप-संभाग के कनिष्ठ अभियंता (JE) विकास गोदूडे ने स्थानीय थाने में घटना की लिखित जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राम प्रसाद चौधरी द्वारा 33 केव्ही लाइन के नीचे अवैधानिक रूप से बांस लगाने/गढ़ाने का कार्य किया जा रहा था, जो कि सीधे तौर पर सुरक्षा नियमों का उल्लंघन और अवैध कृत्य है। इसी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

अधिकारियों की अपीलः न करें खिलवाड़

बिजली विभाग की चेतावनीः कनिष्ठ अभियंता विकास गोदूडे ने आम जनता से अपील की है कि विद्युत लाइनों, विशेषकर हाई-टेंशन लाइनों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें। बिजली से संबंधित किसी भी समस्या के लिए सीधे विभाग से संपर्क करें। अवैध तरीके से काम करना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।

खबर संक्षेप

ग्राम सभा की अनदेखी पर भड़का गांव, पंचायत कार्यालय में जड़ा ताला

अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में ग्राम सभा के प्रस्ताव को नजरअंदाज किए जाने के आरोपों ने ग्रामीणों के आक्रोश को सड़क पर ला दिया। बुधवार को करीब 500 ग्रामीण पंचायत कार्यालय पहुंच गए और विरोध स्वरूप कार्यालय में ताला जड़कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा द्वारा रानी सागर बांध को तीपन मछुआ समिति को मत्स्य पालन के लिए लीज पर देने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन मत्स्य विभाग ने इस प्रस्ताव को दरकिनार करते हुए बांध की लीज सिंह वाहिनी समिति को आवंटित कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और उसके प्रस्तावों की अनदेखी करना गांव की सामूहिक इच्छा का अपमान है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निर्णय वापस लेने और ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुरूप लीज आवंटन की मांग की। पंचायत कार्यालय में ताला लगाए जाने से दिनभर पंचायत के नियमित कार्य प्रभावित रहे और कर्मचारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उनका कहना है कि जब ग्राम सभा के निर्णयों को ही महत्व नहीं दिया जाएगा तो फिर ग्राम सभाओं के आयोजन का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।वहीं इस पूरे मामले पर जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि उन्हें पंचायत कार्यालय में ताला लगाए जाने की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में अवकाश पर हैं, इसलिए मामले की विस्तृत जानकारी उनके पास उपलब्ध नहीं है।अब ग्रामीणों के आंदोलन के बाद प्रशासन और मत्स्य विभाग की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अमरकंटक की बेटी शिखा सिंह राजपूत ने रचा सफलता का नया इतिहास

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक की प्रतिभाशाली बेटी शिखा सिंह राजपूत ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक पद पर चयनित होकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे नगर का नाम गौरवान्वित किया है। उनके चयन की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त हो गया तथा परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाइयों का तांता लग गया। शिखा सिंह राजपूत की इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। उनका चयन जबलपुर में हुआ है, जो उनके संघर्ष और अथक प्रयासों का परिणाम है। शिखा ने अपनी प्रारंभिक एवं विद्यालयीन शिक्षा सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अमरकंटक से प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे अनुशासित, मेहनती एवं प्रतिभावान रही हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संस्थान के लिए गौरव का विषय बताया है। इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का विशेष योगदान रहा है। उनकी माता नेहा सिंह राजपूत एवं पिता हर नारायण सिंह राजपूत ने सदैव उन्हें उच्च शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। परिवार के सहयोग, मार्गदर्शन और शिखा की अथक मेहनत ने आज उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों तथा शिक्षाविदों ने शिखा सिंह राजपूत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। अमरकंटक जैसे छोटे नगर से निकलकर प्रदेश पुलिस सेवा में स्थान प्राप्त करना निश्चित रूप से गौरव का विषय है। शिखा सिंह राजपूत की इस उपलब्धि ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। दृढ़ इच्छाशक्ति, सतत प्रयास और परिवार के सहयोग से सफलता के शिखर तक पहुंचा जा सकता है। पूरे अमरकंटक क्षेत्र को अपनी इस होनहार बेटी पर गर्व है और सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अनूपपुर पुलिस महकमे में तबादला से अफरातफरी मची, वसूली तंत्र पर चली कैंची

थानेदारों के खास सिपाहियों की विदाई से मचा हड़कंप

अनूपपुर पुलिस विभाग में जारी 104 पुलिसकर्मियों की तबादला सूची ने महकमे के भीतर हलचल मचा दी है। चर्चा सिर्फ स्थानांतरण की नहीं, बल्कि उन चेहरों की है जिन्हें कई थाना प्रभारियों का सबसे भरोसेमंद आदमी माना जाता था। सूत्रों के अनुसार सूची जारी होने से पहले और बाद में कई थाना प्रभारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर काटते दिखाई दिए है। आरोप है कि जिन कर्मचारियों का तबादला हुआ, वे वर्षों से थानों में जमे रहकर स्थानीय नेटवर्क और कथित वसूली व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके थे।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भोपाल से जारी हुए आदेश पश्चात पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब द्वारा जारी तबादला सूची को प्रशासनिक फेरबदल से अधिक पुलिस महकमे की अंदरूनी सर्जरी माना जा रहा है। जिले के विभिन्न थानों में वर्षों से पदस्थ कई उप निरीक्षक, एएसआई, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों को एक झटके में इधर से उधर कर दिया गया है। इसके बाद पुलिस गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रही कि आखिर कुछ थाना प्रभारी अपने मातहत कर्मचारियों को बचाने के लिए इतने बेचैन आखिर क्यों दिखाई दे रहे है। सूत्र बताते हैं कि कई थानों में कुछ कर्मचारी ऐसे थे जो स्थानीय मामलों, अवैध गतिविधियों पर निगरानी और कथित लेन-देन की व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। ऐसे कर्मचारियों के हटने से कई थाना प्रभारियों की कार्यशैली प्रभावित होने की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पुलिस महकमे के भीतर तबादला सूची को लेकर असामान्य बेचैनी जरूर दिखाई दी है।

तबादला सूची आते ही एसपी कार्यालय में बढ़ी हलचल

सूत्रों के अनुसार सूची जारी होने की भनक लगते ही कई थाना प्रभारी अपने-अपने पसंदीदा कर्मचारियों को बचाने की कवायद में जुट गए है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मुलाकातों का दौर बढ़ गया है। चर्चा रही कि कुछ अधिकारी अपने भरोसेमंद कर्मचारियों का नाम सूची से हटवाने के लिए प्रयासरत थे। हालांकि अंततः एसपी ने बड़े पैमाने पर तबादले कर यह संकेत दे दिया कि प्रशासनिक निर्णय में किसी प्रकार का दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

खास सिपाहियों की विदाई से क्यों परेशान हुए प्रभारी?

जिले के कई थानों में कुछ कर्मचारी वर्षों से एक ही क्षेत्र में जमे हुए थे। स्थानीय स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ और नेटवर्क विकसित हो चुका था। आरोप यह भी लगते रहे हैं कि ऐसे कर्मचारी थाना प्रभारियों के सबसे करीबी माने जाते थे। इन्हीं कर्मचारियों के माध्यम से कई व्यवस्थाएं संचालित होने की चर्चा पुलिस गलियारों में लंबे समय से होती रही है। तबादले के बाद यही नेटवर्क टूटता नजर आ रहा है।

वसूली तंत्र पर चली प्रशासनिक कैंची?

हालांकि पुलिस विभाग ने स्थानांतरण को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया बताया है, लेकिन जिले में यह चर्चा जोरों पर है कि यह कार्यवाही कथित वसूली तंत्र को तोड़ने की दिशा में उठाया गया कदम है। कई थानों में लंबे समय से जमे कर्मचारियों को हटाए जाने को इसी नजरिए से देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि जब एक ही व्यक्ति वर्षों तक एक क्षेत्र में रहता है तो उसके स्थानीय संपर्क इतने मजबूत हो जाते हैं कि पारदर्शिता प्रभावित होने लगती है।

नए चेहरों के सामने बड़ी चुनौती

स्थानांतरित होकर नए थानों में पहुंचे कर्मचारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती निष्पक्ष और पारदर्शी पुलिसिंग की होगी। वहीं जिन थानों में नए अधिकारी और कर्मचारी पहुंचे हैं, वहां पुरानी व्यवस्थाओं को समझने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। जनता की नजर अब इस बात पर होगी कि यह बदलाव केवल कागजों तक सीमित रहता है या वास्तव में पुलिस व्यवस्था में सुधार दिखाई देता है।

एसपी का संदेश कोई भी स्थायी नहीं

104 पुलिसकर्मियों के एक साथ तबादले को पुलिस अधीक्षक का स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि जिले में कोई भी कर्मचारी या अधिकारी किसी थाना क्षेत्र में स्थायी नहीं है। लंबे समय से जमे कर्मचारियों को हटाकर यह संकेत दिया गया है कि विभागीय अनुशासन और प्रशासनिक नियंत्रण सर्वोपरि है। अब देखना यह होगा कि इस बड़े फेरबदल के बाद पुलिसिंग की तस्वीर कितनी बदलती है और जनता को इसका कितना लाभ मिलता है।

पेड़ की ढगाल गिरने से युवक, सर्प दंश से बालक की मौत

इयूटी डॉक्टर के ना आने पर भड़के परिजन व ग्रामीण, डॉ. राय ने किया पीएम

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 24 घंटे के मध्य अलग-अलग घटनाओं में युवक की पेड़ की ढगाल गिरने एवं सर्प दंश से बालक की मौत हो गई घटना की सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा मर्ग दर्ज कर कार्यवाही की गई। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत ताराडांड, अगरियानार गांव में एक माह से निरंतर विभिन्न तरह के पेड़ों को ठेकेदार नारेन्द पटेल के माध्यम से पेड़ काटने का मजदूरी कर रहे 48 वर्षीय गंगाराम कोल पिता स्व, धनपत कोल निवासी वार्ड नंबर 8 तलैयाटोला ताराडांड़ की अगरियानार गांव में अपने अन्य साथियों के साथ संतोष सिंह के खेत में छुईला के पेड़ को काटकर जमीन में गिरा रहे थे इसी दौरान अचानक छुईला के पेंड की ढगाल को जमीन में गिरता देखकर पांच अन्य मजदूर जिसमे श्यामलाल कोल, संजीव कोल, संदीप कोल, राजू कोल एवं सूरज कोल भागे लेकिन इसी दौरान गंगाराम कोल के गर्दन, सीना एवं पैर में ढगाल गिरने से दब जाने पर गंभीर रूप से घायल होने पर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचने के पहले ही मृत्यु हो गई यह कार्य दुलहरा निवासी नरेंद्र पटेल जो पेड़ो को कटवाने का ठेका लेकर मजदूरों से कार्य करता है के कहने पर किया जा रहा था घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी एवं प्रधान आरक्षक मंसाराम सिंह मार्को ने परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर इयूटी डॉक्टर से शव का परीक्षण करा कर अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपते हुए प्रारंभिक जांच कर घटना पर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली थाना अनूपपुर को सूचित किया। दूसरी घटना भालूमाडां थाना अंतर्गत ग्राम छिल्पा निवासी चंदू कोल के 15 वर्षीय पुत्र आशीष कोल जो मंगलवार एवं बुधवार की मध्य रात्रि घर के अंदर जमीन में सो रहा था तभी डंडा करायल (करैत) प्रजाति के अत्यंत जहरीले सांप ने हाथ की उंगली में काट दिया जिसे अचानक काटते हुए देख, समझकर बालक ने सांप को पकड़ कर मारकर घटना की जानकारी परिजनों को दिए जाने पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर उपचार कराया जा रहा था कि सुबह होने के पूर्व ही बालक की उपचार दौरान मृत्यु हो गई घटना पर इयूटी डॉक्टर की सूचना के आधार पर अस्पताल पुलिस द्वारा परिजनों की उपस्थिति में में शव का पंचनामा कर पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौप कर घटना की अग्रिम कार्यवाही हेतु भालूमांडा थाना को सूचित किया। कई घंटा बीत जाने पर भी इयूटी डॉक्टर द्वारा अस्पताल पुलिस को सूचित किया रहा सांप काटने से मृत बालक के शव का पीएम कई घंटा बीत जाने पर नहीं करने, अस्पताल पुलिस और चिकित्सा अधिकारियों के निरंतर फोन पर संपर्क करने, डियूटी डाक्टर से संपर्क नहीं होने से परिजन एवं भारी मात्रा में एकत्रित ग्रामीण परेशान रहे इस दौरान कुछ ग्रामीणों द्वारा अनूपपुर के पूर्व विधायक एवं वर्तमान मे मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजातीय आयोग अध्यक्ष रामलाल रौतेल एवं अनूपपुर के अपर कलेक्टर कमलेश पुरी को घटना की जानकारी देकर मृत बालक के शव का शीघ्र पीएम कराते हुए शव वाहन उपलब्ध कराए जाने की बात कहे जाने पर निर्देशानुसार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एससी राय ने स्वयं मृत बालक के शव का शव परीक्षण कर शासकीय शव वाहन उपलब्ध करा कर मृत बालक के शव को उसके निवास स्थल तक भेजवाया।

अनूपपुर जिला चिकित्सालय बना अव्यवस्थाओं का अड्डा

करोड़ों की इमारत, बदहाल इलाज

मरीजों की पीड़ा पर जिम्मेदारों का मौन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर का जिला चिकित्सालय इन दिनों इलाज से ज्यादा अव्यवस्थाओं का प्रतीक बनता जा रहा है। करोड़ों रुपये की सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद मरीज गंदगी, लापरवाही और बदइंतजामी के बीच इलाज कराने को मजबूर हैं। अस्पताल के वार्डों से लेकर शौचालयों तक दुर्गंध और गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मरीजों की शिकायत सुनने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के फोन तक नहीं उठ रहे है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही किसके हाथ में है? आदिवासी अंचल अनूपपुर का जिला चिकित्सालय पूरे जिले के लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। दूरस्थ गांवों और जंगलों से मरीज बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं, लेकिन अस्पताल की वास्तविक तस्वीर उम्मीदों के ठीक विपरीत दिखाई देती है। वार्डों में गंदगी, बदहाल शौचालय, समय पर डॉक्टरों की अनुपलब्धता और मरीजों की शिकायतों पर प्रशासनिक उदासीनता ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल परिसर में फैली अव्यवस्थाएं न केवल मरीजों की तकलीफ बढ़ा रही हैं बल्कि सरकार के उन दावों की भी पोल खोल रही हैं जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की बात कही जाती है। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीज निजी अस्पतालों का खर्च नहीं उठा सकते, इसलिए मजबूरी में सरकारी अस्पताल का सहारा लेते हैं। लेकिन जब सरकारी अस्पताल ही बदहाली का शिकार हो जाए तो आम जनता आखिर जाए तो कहां जाए।

अस्पताल या गंदगी का अड्डा?

जिला चिकित्सालय के कई वार्डों और मरीजों के कमरों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि नियमित सफाई नहीं होने से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। शौचालयों की स्थिति इतनी खराब बताई जा रही है कि वहां से उठने वाली दुर्गंध पूरे परिसर में फैल जाती है। इलाज कराने आए लोग बीमारी से कम और अस्पताल की गंदगी से ज्यादा परेशान दिखाई दे रहे हैं। सवाल यह है कि सफाई व्यवस्था पर खर्च होने वाला बजट आखिर जा कहां रहा है?

डॉक्टरों की अनुपस्थिति से बढ़ रही परेशानी, मरीज घंटों कर रहे इंतजार

अस्पताल आने वाले मरीजों का कहना है कि कई बार डॉक्टर समय पर उपलब्ध नहीं रहते। दूर-दराज गांवों से कई घंटे का सफर तय कर पहुंचने वाले मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। गंभीर मरीजों और बुजुर्गों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय हो जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं में देरी कई बार मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि जिला अस्पताल में ही समय पर चिकित्सकीय सेवाएं नहीं मिलेंगी तो ग्रामीण जनता को राहत कहां से मिलेगी।

शिकायत सुनने वाला कोई नहीं, सिविल सर्जन और सीएमएचओ के फोन तक बंद

अस्पताल की व्यवस्थाओं से परेशान मरीजों और उनके परिजनों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों तक उनकी आवाज पहुंच ही नहीं पाती। सिविल सर्जन और सीएमएचओ से संपर्क करने की कोशिश की जाती है, लेकिन कई बार फोन रिसीव नहीं किए जाते। जब शिकायत दर्ज कराने का रास्ता ही बंद हो जाए तो लोगों में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। जनता का कहना है कि यदि अधिकारी जनता की सुनवाई के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे तो व्यवस्था में सुधार की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

सरकार के दावों पर उठ रहे सवाल, जमीनी हकीकत कुछ और

मध्य प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार योजनाएं और बजट जारी कर रही है। आधुनिक मशीनें, बेहतर भवन और सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन अनूपपुर जिला चिकित्सालय की तस्वीर इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आती है। यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिखाई देता है। यदि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी मरीजों को स्वच्छ वातावरण और समय पर इलाज नहीं मिल रहा है तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि व्यवस्था की गंभीर कमजोरी भी है।

अब जनता की निगाह कलेक्टर पर, कार्रवाई की उठी मांग

लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद अब जनता की उम्मीद जिले के संवेदनशील कलेक्टर हर्षल पंचोली पर टिक गई है। लोगों का कहना है कि जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनी जाएं। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। क्योंकि जिला चिकित्सालय जनता के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा संस्थान है, इसे अव्यवस्थाओं और उदासीनता का केंद्र बनने नहीं दिया जा सकता है।

प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए थीम पर एमबी पावर का पर्यावरण पखवाड़ा संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विश्व पर्यावरण दिवस-2026 की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए के अनुरूप एमबी पावर (मध्यप्रदेश) लिमिटेड, जैतहरी द्वारा 22 मई से 07 जून तक पर्यावरण पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसका सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न सहभागितापूर्ण एवं जागरूकता आधारित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यावरण पखवाड़े के दौरान जैतहरी से दीपक नगर टाउनशिप तक प्रदूषण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, पोस्टर पेंटिंग, नारा लेखन, भाषण प्रतियोगिता एवं सामूहिक पौधारोपण जैसे विभिन्न रचनात्मक और सहभागितापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में कंपनी के कर्मचारियों, श्रमिकों, दीपक नगर टाउनशिप की महिलाओं तथा बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को कंपनी प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दीपक नगर टाउनशिप निवासी श्रीमती स्नेहलता परीदा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में गृहणियों की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि प्रत्येक परिवार अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है। 08 जून को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहडोल के क्षेत्रीय अधिकारी अशोक कुमार तिवारी तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अनूपपुर के प्रभारी अधिकारी श्रेयांश पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कंपनी के सीओओ एवं प्लांट हेड ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए रचनात्मक पोस्टरों तथा पर्यावरण के प्रति उनकी गहन समझ की सराहना की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विकसित हो रही जागरूकता और संवेदनशीलता एक हरित एवं सतत भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने बताया कि कंपनी पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए सतत विकास एवं हरित पहल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कंपनी के एचआर एवं प्रशासन प्रमुख ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव हमें यह सोचने के लिए विवश करते हैं कि कहीं हमारी आवश्यकताएं हमारी सीमाओं से अधिक तो नहीं हो गई हैं। उन्होंने सभी से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु जागरूक और जिम्मेदार बनने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि अशोक कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ पर्यावरण मानव अस्तित्व और सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्लास्टिक प्रदूषण को वर्तमान समय की प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक बताते हुए उन्होंने इसके दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने नागरिकों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पुनरू उपयोग योग्य एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयास मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। कंपनी के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस प्रमुख ने अपने संबोधन में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं उनके घटते भंडार से संबंधित आंकड़े साझा करते हुए कहा कि ऊर्जा उत्पादन में संसाधनों का विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन कंपनी के पर्यावरण एवं सुरक्षा विभाग प्रमुख भोला प्रसाद कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2026 की थीम 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पर्यावरण एवं सुरक्षा विभाग की टीम, जिसमें मुकेश कुमार एवं इमरान सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में श्री कुशवाहा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर के निर्देश पर अमरकंटक में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार पवित्र नगरी अमरकंटक को अतिक्रमण मुक्त, सुव्यवस्थित एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद अमरकंटक द्वारा बुधवार को अतिक्रमण विरोधी विशेष अभियान चलाया गया। राजस्व विभाग, नगर परिषद एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने वार्ड क्रमांक 14 में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही की। अभियान के दौरान शासकीय भूमि पर किए गए कुल 22 अवैध अतिक्रमणों को हटाकर भूमि को मुक्त कराया गया। इनमें 15 बाड़ियां, 4 झोपड़ियां तथा 3 कच्चे मकान शामिल थे। प्रशासन द्वारा जेसीबी एवं अन्य मशीनों की सहायता से अतिक्रमणों को हटाते हुए भूमि को अपने कब्जे में लिया गया। कार्यवाही के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कार्यवाही शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। अधिकारियों ने बताया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर पंचोली के मार्गदर्शन में जिले में शासकीय भूमि के संरक्षण एवं नगरों के सुनियोजित विकास के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा नगर के स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित विकास में सहयोग प्रदान करें।